सत्र –2021–22

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

Marking Scehme

Advance Diploma In Performing art (A.D.P.A.)

Vocal/Instrumental (Non percussion)

One Year Advance Diploma Course

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NON PERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory -1 Music –Theory	100	33
2	Theory -2 Applied principles of music	100	33
3	PRACTICAL- 1 Raga description viva	100	33
4	PRACTICAL- 2 Choice Raga Stage Performance	100	33
	GRAND TOTAL	400	132

Advance Diploma In Performing art (D.P.A.)

Vocal/Instrumental (Nonpercussion)

One Year Advance Diploma Course

सैद्धांतिक–प्रथमप्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

1. ध्वनि (सांगीतिक ध्वनिऔर शारे), नादऔरउसकेप्रकार, नाद की तीव्रता, तारता।सेमीटोनमाईनरटोन, मेजरटोनकापरिचय।
2. हिन्दुस्तानीऔरकनार्टकस्वरसप्तकोंका अध्ययन।ग्रहआदिदसराग लक्षणोंकापरिचय।
3. गाधंर्वगान एवंमार्ग–देशीकासामान्य परिचय।निबद्ध एवंअनिबद्ध गान की सामान्य जानकारी।
4. थाट, रागवर्गीकरणकासामान्य परिचय। शुद्ध, छायालग एवंसकीर्णरागोंका अध्ययन।
5. गणितानुसारहिन्दुस्तानीसंगीत पद्धति के 32 औरकनार्टकसंगीत पद्धति के 72 मेलों की निर्माणविधि। स्वरों की संख्या के आधारपर एक थाटसे 484 रागबनानेकीविधि।
6. ग्रामऔरमूर्च्छना के लक्षण एवंभदों की सामान्य जानकारी।
7. पं. विष्णुदिगंबरपलुस्करस्वरलिपि पद्धति की जानकारी।

Advance Diploma In Performing art (D.P.A.)
Vocal/Instrumental (Nonpercussion)
One Year Advance Diploma Course
सैद्धांतिक–द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखितरागोंका शास्त्रीय परिचय एवंपिछलेपाठ्यक्रम के रागों के साथतुलनात्मक अध्ययन :–राग–छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा, सोहनी।
2. निम्नलिखित अ एवं ब कोभातखण्डेस्वरलिपि पद्धतिमेंलिखनेकाअभ्यास।
   (अ) पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागोंमेंविलंबितरचना (बडा ख्याल),
   मसीतखानीगतकोआलापतानोंसहितलिखनेकाअभ्यास।किसी ध्रुपदअथवा धमारकोदुगुन,
   चौगुनसहितलिखनाअथवाकिसीतरानेकोलिखनेकाअभ्यास।
   (ब) पाठ्यक्रम के रागोंमेंसे मध्यलय रचना (छोटा ख्याल),
   रजाखानीगतकोस्वरतालिपिमेंलिखनेकाअभ्यास। (आलाप, तानों सहित।)
   (स) किसीभजनअथवा धुनकोतालस्वरलिपिकोलिखना।
3. आड, कुआड, बिआड, की परिभाषा एवंअर्थ।तीनताल, दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल के ठेकोंकोआड, कुआड, बिआड की लयकारीमेंलिखनेकाअभ्यास।
4. संगीतसेसंबंधितविविध विषयोंपरलगभग 400 शब्दोंमेंनिबंध लेखन।
5. जीवन परिचय एवंसांगीतिक योगदान :–सदारंग–अदारंग, बाबाउस्तादअलाउद्दीन खॉं, पं. राजाभैयापूछवाले, पं. ओमकारनाथठाकुर, पं. रविशंकर, उस्तादबिस्मिल्लाह खॉं, डॉ. एन. राजम।
6. भजन, गीत, गजल, होरी, चैतीआदिगीतप्रकारों

Vocal/Instrumental (Nonpercussion)
One Year Advance Diploma Course

प्रायोगिक :– 1 प्रदर्शन एवंमौखिक

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

1. पूर्वपाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवंपाठ्यक्रम के राग : छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा एवंसाहेनी।
2. पाठ्यक्रम के रागोंमेंस्वरमालिका एवं लक्षणगीतकागायन। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागोंमेंविलंबितरचना (बडा ख्याल), विलंबितगत (मसीतखानी) काआलापतानोंसहितप्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम के 7 रागोंमें मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), मध्य लय गत (रजाखानी) कातानोंसहितप्रदशर्न।
5. पाठ्यक्रम के किसी एक रागमें ध्रुपदअथवा धमार (दुगनु, तिगुन, चौगुनसहित प्रदर्शन।) दोतराने एवं एक भजन की प्रस्तुति। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।) अपने वाद्य परतीनताल के अतिरिक्तअन्य किसीतालमेंदोगतोंकाप्रदर्शनतानोंसहित।किसी धुनकाप्रदर्शन (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये)।
6. पाठ्यक्रम के तालोंकाहाथसेतालीदेकरठाह, दुगनु, तिगुन, चौगुनसहितप्रदर्शन।

Vocal/Instrumental (Nonpercussion)
One Year Advance Diploma Course

प्रायोगिक :– 2 मंचप्रदर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारितरागोंमेंसेकिसी एक रागकाप्रदर्शन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारितरागोंमेंसेपरीक्षक द्वारापूछेगयकिसी एक राग की प्रस्तुति।
3. ठुमरी, टप्पा, त्रिवटअथवाभजनकीप्रस्तुति।किसी धुनअथवा त्रिताल के अतिरिक्तअन्य किसीतालमेंद्रुतगतकाप्रदर्शन। (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये।)

सदंर्भग्रंथः

1. हिन्दुस्तानीक्रमिकपुस्तकमालिकाभाग 2 से 6 – पं. विष्णुनारायण भातखण्डे
2. संगीतप्रवीणदर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांतिगोवर्धन
4. संगीतविशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितारमलिका – श्रीभगवतशरण शर्मा
6. अभिनवगीतांजलिभाग 1 से 5 – पं. श्रीरामाश्रय झा
7. संगीतबोध – श्री शरदचन्द्रपरांजपे
8. संगीत वाद्य – श्रीलालमणिमिश्र
9. हमारेसंगीतरत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग